बुलैटिन क्र 06/2019

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन
राज्य : मध्य प्रदेश
Agrometeorological Advisory Bulletin
State : Madhya Pradesh

वैधता– 19 जनवरी 2019 से 23 जनवरी 2019 तक

period:–19.01.2019 to 23.01.2019

Next Update : 22.01.2019
अगला नवीनीकरण: 22.01.2019

जारी करने का दिन शुक्रवार, 18 जनवरी 2019

Issued on FRIDAY, 18th JANUARY 2019

द्वारा : भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र, भोपाल

Issued by: Meteorological Centre Bhopal

सौजन्य से

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
राजमाता विजयाराजेय सिंधिया कृषिविश्वविद्यालय ग्वालियर
तथा
कृषिविभाग, मध्य प्रदेश शासन,भोपाल

In collaboration with
JNKVV, Jabalpur, RVSKVV, Gwalior
and
Department of Farmers' Welfare and AgriculturalDevelopment, Bhopal, M.P.

Met Sub-divisions of the State

For Meteorological purposes, the State has been divided into two sub divisions

East M.P. consisting of Anuppur, Balaghat, Chhatarpur, Chhindwara, Damoh, Dindori, Jabalpur, Katni, Mandla, Narsinghpur, Panna, Rewa, Sagar, Satna, Seoni, Shahdol, Sidhi, Singrauli, Tikamgarh and Umaria districts.

West M.P. consisting of Alirajpur, Ashoknagar, Barwani, Betul, Bhind, Bhopal, Burhanpur, Datia, Dewas, Dhar, Guna, Gwalior, Harda, Hoshangabad, Indore, Jhabua, Khandwa, Khargone, Mandsaur, Morena, Neemuch, Raisen, Rajgarh, Ratlam, Sehore, Shajapur, Sheopur, Shivpuri, Ujjain and Vidisha districts.

Agro-climatic Zone of Madhya Pradesh

S. No.	Agroclimatic Zones	Districts	Agromet Field Units (AMFU)
1.	Kymore plateau & Satpura Hills	Jabalpur,Satna, Panna, Seoni, Rewa, Sidhi, Katni, Annuppur, Singrauli, Balaghat, Umaria, Mandla, Dindori, Shahdol	Jabalpur
2.	Vindhyan Plateau	Sagar, Damoh, Bhopal, Sehore, Raisen, Vidisha	Sehore
3.	Central Narmada	Narsinghpur, Hoshangabad,	Powarkheda
4.	Gird	Morena,Bhind,Gwalior, Shivpuri, Guna Sheopur, Ashoknagar	Morena
5.	Jhabua hills	Jhabua,Alirajpur,Dhar	Jhabua
6.	Bundelkhand	Datia, Tikamgarh, Chhatarpur	Tikamgarh
7.	Satpura Plateau	Betul and Chhindwara	Chhindwara
8.	Malwa Plateau	Ujjain, Indore, Mandsaur, Ratlam, Shajapur, Rajgarh, Dewas, Neemuch	Indore
9.	Nimar Valley	Khargone,Khandwa,Barwani,Burhanpur,Harda	Khargone

Weather Summary for the period from 15.01.2019 to 17.01.2019
Synoptic conditions: Generally dry air prevailed over the State during the period.

Highest Maximum Temperature:– 31°C was recorded at Khargone on 17th.
Lowest Minimum Temperature:– 01°C was recorded at Khajuraho on 16th and 17th.

Rainfall:- NIL.
The State remained dry during the period.

Day Temperatures were normal over the State.
Night Temperatures were **04°C** below normal over North East M.P.; **03°C** below normal over South East M.P. and **02°C** below normal over West M.P..

Current synoptic conditions:- Generally dry air continues to prevail over the State.
Warning (for next 24 hrs):- Cold wave condition likely to occur at isolated places in Chhattarpur, Umaria and Balaghat districts during next 24 hrs.

Part-II:- Agroclimatic zonewise/ Agrometeorological Advisories

SATPURA PLATEAU

अगले पांच दिनों में मौसम को देखते हुये फसल अनुसार किसान भाइयो को सलाह:-

अनाज दलहनी एवं तिलहनी वाली फासले

- गेंहू की फसल बालिया निकलने की अवस्था में है अत: जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते है वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।
- सूरज की तीव्र रोशनी की अवधि बढ़ने लगी है इसको ध्यान में रखते हुए गेहू, चना, मटर आदि फसलो में जल प्रबंधन करने की सलाह दी जाती है।
- चना की फसल में फुल आना प्रारंभ हो गया हैं, जब वह दाना में बदलते हैं उस समय फल छेदक किट आने की संभावना होती है, इसलिए अभी से खेतों में निगरानी करने की सलाह दी जाती हैं।
- चना में म्लानि या उकठा रोग के लक्षण किसी भी अवस्था में दिखे जा सकते है इस रोग के निदान हेतु कुछ दिनों तक सिंचाई न करें।
- मटर की फलियों में कीट प्रकोप की अधिकता होने पर स्पाईनोसेड नामक कीटनाशी दवा 0.3 मी. ली.प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें ।
- मटर में चुरणी फफूंदी का प्रकोप दिखने पर 3 ग्राम सल्फेक्स प्रति लि पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- वर्तमान मौसम सरसों में माहू (Aphid) के प्रकोप के लिए अनुकूल है अतः किसान भाइयों को सलाह है कि प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने पर इमेडाक्लोरोप्रिड 0.5 मि॰ली॰ प्रति लिटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें तत्पश्चात 15 दिनों के बाद डायमेथिएट 2 मि॰ली॰ प्रति लिटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। एक एकड़ में 200 लिटर घोल का छिड़काव करें।
- चने की फसल में प्रारम्भिक कीट नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन का प्रयोग जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या खेतों में पक्षियों के बैठने हेतु खूटी (Bird Perched) करना लाभकारी होता है।

उद्यानकी फसले

- आलू में अगेती एवं पिछेती अंगमारी का प्रकोप दिखाई देने पर मेंकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लिटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- आम, नीम्बू, संतरा और मौसमी में गमोसिस तथा एन्थ्रोकनोज के नियंत्रण के लिए 2.5 ग्राम ब्लाइटाक्स प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करे।
- किसान भाइयों को सलाह है की एक महीने पूर्व बोई गई आलू की फसल में खाद डालने तथा मिट्टी चड़ाकर सिंचाई करने का कार्य करें.

पशुपालन

- यदि बछड़ा अत्यन्त कमजोर हो तथा बाल झड रहे हो तो यह विटामिन ए की कमी से हो सकता है अत: विटामिन ए का इंजेक्शन लगवाये।
- त्वचा रोग होने पर पशुओं के प्रभावित भाग को डेटाल के घोल से अच्छी तरह साफ कर ले एवं रुई से पोछने के बाद हिमैक्स मलहम लगवाये।
- पशुओ को पौष्टिक हरा चारा खिलाने के लिए उसे फूल आने के पहले ही कटाई करें।
- पशु बाड़े एवं मुर्गियों के घर में यदि खिड़कियाँ न लगी हों तो ठंडी हवा से बचाव के लिए बोरे लटकायें। बछडों को धूप में अवश्य निकाले।
- दलहनी चारा फसल जैसे बरसीम, लूसर्न आदि को सूखे चारे के साथ मिलाकर कुट्टी काटकर खिलायें।
- रात का तापमान कम है अत; कम उम्र के पशुओं का रात में ठंड से बचाव करें। इस हेतु बोरो के पर्दे लगावे ताकि ठंड से कम उम्र के पशु पक्षियों को बचाया जा सके ।

VINDHYAN PLATEAU

कृषि मौसम पर आधारित सामायिकी सलाह :–	
फसलों में पाले से बचाव	फसलों में उत्पादन बृद्धि के लिए 0:0:50 (एन. पी.. के.) का छिडकाव असिंचित अवस्था में 1.5 ग्राम तथा सिंचित अवस्था में 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
गेंहूँ	सिंचित गेहू में यूरिया की टापड्रसिंग 20 से 25 किलो यूरिया द्वितीय सिंचाई के बाद प्रति एकड़ के हिसाब से करें।
अरहर एवं चना	आगामी दिनों में बादलयुक्त मौसम रहने के कारण चना एवं अरहर एवं अन्य फसलों में इल्लियों का प्रकोप (प्रति बर्ग मीटर 2–3 इल्लियॉ दिखाई देने पर) होने का अनुमान है। नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफास डेढ़ लीटर 600 से 700 लीटर पानी प्रति हेक्टर में घोल बनाकर छिड़काव करें। (45 मि.ली. दवा प्रति पम्प) भुरकने वाले पाउडरों में क्विनालफास डेढ़ प्रतिशत या मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत 25 किलो पाउडर प्रति हेक्टर की दर से भुरकाव यंत्र की सहायता से करें।
फलोत्पादन	1. संतरे में कोल्वी बीमारी के नियंत्रण के लिए एमिडाक्लोप्रिड 5 मिली. को 15 लीटर पानी घोलबनाकर बृक्ष पर छिडकाव करें। 2. इस समय कहीं–कहीं आम में बौर आने लगा है। इस दौरान बादलयुक्त मौसम रहने पर आम में बौर झडने लगता है। नियंत्रण के लिए एन. ए ए (प्लानोफिक्स) का 200 पीपीएम क छिडकाव बृक्ष पर करें। 3. आम के तने का चारो ओर मिलीवग से वचाव के लिए गुड़ाई करने के पूर्व क्लोरपायरीफास 1.5 प्रतिशत डस्ट प्रति 500 ग्राम प्रति पौधा के हिसाव से मिटटी में मिलाकर गुड़ाई करें तथा तने के चारो ओर चिपचिपी पट्टी (टीन की चद्दर पर ग्रीस लगाकर) चिपकावें। 4. नवीन रोपित बागवानी के फलदार पौधों को पाले से वचाव के लिये पौधों को पुआल या घासफूस से ढककर रखें।
सब्जी उत्पादन	1. लहसुन एवं प्याज की फसल में भी बादलयुक्त मौसम रहने पर थ्रिप्स (रस चूसक कीट) के प्रकोप होने का अनुमान है। इसमें पौधे बीच में पीले पडकर सूखने / सडने लगते है। बचाव के लिए क्लोरोपाइरीफॉस दवा 1.25 से 1.5 लीटर प्रति हेक्टर के मान से छिडकाव करें। खाद एवं उर्वरकों को सिंचाई के साथ दें। 2. टमाटर, बेंगनः तैयार खेत में बेगन का रोपण करें। अनुसंसित किस्में पूसा पर्पल लोंग, पूसा पर्पल राउण्ड, पूसा पर्पल क्लस्टर,जवाहर बेंगन–64 एवं अन्य संकर किस्में। टमाटर का रोपण करें अनुसंसित किस्मेंः अर्काविकास, सिलेक्सन–22 पूसा रुबी, जवाहर टमाटर–99 एवं अन्य संकर किस्में। 3. आलू के खेतों में बण्ड बनावें एवं पौधों पर मिट्टी अवश्य चढावें।
पशु पालन एवं बकरी पालन	1. आगामी मौसम में पशुओं में फुट एन्ड माउथ डिसीज (खुरपका एवं मुँहपका) के फैलने की सम्भावना रहती है अतः पशुपालकों को सलाह है। कि पशुचिकित्सक की सलाह से टीकाकरण अवश्स करवाऐं। 2. बकरियों में पी.पी.आर. का टीकाकरण अवश्य लगवाऐं।

CENTRAL NARMADA

मुख्य फसलें	कीट एवं व्याधि	कृषि परामर्श
गेहूं		• आसमान साफ रहने तथा वर्षा नहीं होने की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती की पूर्व में बोई गई गेहूं की फसल में विभिन्न क्रांतिक अवस्थाओं में आप आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा सिंचाई के बाद शेष बची यूरिया का छिडकाव अवश्य करें, यूरिया का छिडकाव करते समय इस बात का ध्यान रखें की पत्तियो पर पानी न हो।

		• गेहूं की फसल में सिंचाई प्रति 20 दिन के अन्तराल पर करे और ध्यान रखें की जल भराव न होने पाए । • प्रिय किसान भाई आप गेहूं में खरपतवार प्रबंधन के लिए स्प्रे करें मसोसल्फुरोंन मिथाइल 3% + आईडोसल्फुरोंन मिथाइल सोडियम 0.6%@ 16gm/पंप कि दर से |
चना		• चने की फसल में जड़ सडन रोग का प्रकोप दिखाई दे रहा है अतः किसान भाई फसल का लगातार निरिक्षण करते रहें प्रकोप पाए जाने पर रोकथाम हेतु रिडोमिल दवा 1.5 से 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर जड़ों के आसपास छिडकाव करें । • चने की फसल में फूल आना प्रारंभ हो गए हैं, फली बनने के समय फली छेदक कीट के आक्रमण की ज्यादा संभावना होती है अतः किसानों को फसल की निगरानी के लिए सलाह दी जाती है और यदि कीट दिखाई दे तो रोकथाम हेतु इन्डोक्साकार्ब 14.५% sc @ 12-15ml / पंप की दर से स्प्रे करें । • चने की फसल जब लगभग 25-30 दिनों की हो जाये तब पौधों के ऊपरी शिराओं की हल्की तुड़ाई कर दे जिससे की अधिक शाखाएं निकल सकें | प्रथम सिंचाई शाखाएं निकलते समय (बुबाई के 30-35 दिनों बाद) करें | • चने की इल्लिओं की रोकथाम हेतु T या Y आकर की 2 से 2.5 फिट ऊंचाई की 20 से 25 खूटिया एवं फेरामोंन ट्रैप 8 ट्रैप प्रति ऐकड़ की दर से लगायें साथ ही साथ फसल की सतत निगरानी रखें प्रति मीटर क्षेत्र में यदि 2-3 इल्ली पाई जाती हैं तो ट्राईज़ोफास दवा 800.0 मिलि.प्रति हेक्टेयर की दर से छिडकाव करें | • चने की फसल में उख्टा रोग की समस्या की रोकथाम हेतु किसान भाई चने की फसल में 30-35 दिनों तक सिंचाई न करें ।
सरसों		• अगले पांच दिनों के दौरान मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए; किसानों को सलाह दी जाती है कि जहाँ पर सरसों की फसल 70-75 दिन की हो गई है आवश्यकतानुसार सिंचाई करें । • वर्तमान मौसम की स्थिति सरसों में माहू के संक्रमण के लिए उपयुक्त है। इसलिए, किसानों को फसल की निगरानी के लिए सलाह दी जाती है और यदि संक्रमण आर्थिक क्षति स्तर से ऊपर है तो माहू के नियंत्रण के लिए निम्नलिखित कीटनाशकों में से किसी एक का छिडकाव करे. • डाइमेथोएट 30 ईसी 500 मिली / हेक्टेयर • मिथाइल डेमेटॉन 25 ईसी @ 500 मिली / हेक्टेयर.
फल बृक्ष		• आम के बाग में सिंचाई करना बंद करें। • आम में मिलिबग को नियंत्रित करने के लिए तने में ग्रीस स्ट्रिप्स का उपयोग करें और फोलिडॉल @ 250 ग्राम /पौधा की दर से मिट्टी में उपयोग करें। • बेर के पौधों में फलों की अच्छी वृद्धि के लिए नाइट्रोजन धारी उर्वरक के रूप में यूरिया का छिडकाव अवश्य करें ।

आलू		• आगामी सप्ताह के दौरान बादल छाए रहने की स्थिति और आर्द्रता को देखते हुए, आलू की फसल पर लेट ब्लाइट बीमारी का आक्रमण हो सकता है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे रोकथाम हेतु फफूंदनाशी दवा मेंकोजेब @ 2.5 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
टमाटर, मिर्च और बैंगन	पीत शिरा मोजेक, तना एवं फल छेदक	• बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक को नियंत्रित करने के लिए नोवालुरोंन १० ml प्रति पंप की दर से स्प्रे करें। • भिन्डी की फसल में यदि पत्तीयों की शिराओं का रंग पीला पड़ रहा हो तो ये पीत शिरा मोजेक रोग के लक्षण हो सकते है अतः ऐसे पौधों को उखाड़कर जमींन में गाड़ दें तथा संक्रमण के प्रारंभिक चरण में रस चुसक कीटों को नियंत्रित करने के लिए इमेडाक्लोरप्रीड 5-7 ml प्रति पम्प का छिडकाव करे। • पिछले कुछ दिनों से बदल छाए रहने के कारण सरसों, मूली, एवं सेम वर्ग की फसलों में रस चूसक कीटों के प्रकोप की संभावना बन रही है अतः किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की फसल की सतत निगरानी करते रहे तथा अधिक प्रकोप होने पर इमिडाक्लोरप्रिड 0.5 मिलि./लीटर पानी के अनुसार छिडकाव करें।
पशु	• मौसम परिवर्तन की संभावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की पशुओं को रात्री के समय पशुशाला मे ही बांधे। पशुओं के अच्छे स्वस्थ व दुग्ध उत्पादन के लिए चारे के साथ-साथ 50 ग्राम नमक तथा 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु अवश्य दें। • नए पैदा हुए बछड़े को ठंड से बचाना आवश्यक है। इस हेतु पक्के फर्श को धान की पुवाल या कूड़े से आच्छादित होना चाहिए जो थर्मल मल्च प्रदान करता है। सभी दुग्ध जानवरों को रात के दौरान विशेष रूप से संरक्षित और सुरक्षित मवेशी शेड में रखा जाना चाहिए। • पशुशाला मे पशुओ को मच्छरों एवं अन्य कीटों से बचाव हेतु गीला कूड़ा कचरा जलाकर धुआँ करें।	
बकरियां	• पीपीआर रोग को नियंत्रित करने के लिए बकरिओं को टीका लगवाएं। • पशुशाला में कीटनाशक दवाओं का छिडकाव जरुर करें।	
मुर्गियाँ	• अगले पांच दिनों के दौरान आंशिक रूप से बादल (25-40%) की स्थिति को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है की रात के दौरान पोल्ट्री घरों में 4-5 घंटे की रोशनी प्रदान करें अन्यथा अपर्याप्त प्रकाश के कारण अंडे का उत्पादन प्रभावित हो सकता है	

MALWA PLATEAU

फ़सल	अवस्था	सलाह
गेहूँ	वानस्पतिक वृद्धि अवस्था	• समय से बोयी गयी गेहूँ में दूसरी सिंचाई करें। सिंचाई के लिए गेहूँ की दूसरी क्रांति अवस्था जो प्राय बुवाई के 42-45 दिन के बाद आती है जब फसल में कल्ले बनते हैं। • गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दे, तो बचाव हेतु किसान क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. @ 2.0 ली. प्रति एकड़ 20

		कि.ग्रा. बालू में मिलाकर खेत में शाम को छिड़क दे, और सिंचाई करें।
चना	वानस्पतिक वृद्धि अवस्था	चने की फसल में फली छेदक कीट के निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश @ 3-4 प्रपंश प्रति एकड़ उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 10-15% फूल खिल गये हों। अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए।
सरसों	वानस्पतिक वृद्धि अवस्था	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि सरसों की फसल में चेंपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। प्रारम्भिक अवस्था में प्रभावित भाग को काट कर नष्ट कर दे।
फल फसलें आम, अमरूद, नीबू	वानस्पतिक वृद्धि अवस्था	• पपीता मे ताना विगलन की रोकथाम के लिए बोर्डो मिक्सचर का छिड़काव 10 दिन के अंतराल से करेs, अमरूद मे ताना छेदक की रोकथाम करे • नीबू व अमरूद के व्रक्षों मे नए पेड़ तैयार करने के लिए गूटी बांधे • पूराने बगीचो मे फल व्रक्षों की आयू के अनुसार खाद एवं उर्वरक दे
सब्जियां और मसाले		
टमाटर, भिंडी बैगन	फलन अवस्था	• इस समय सब्जियों टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी व पत्तागोभी में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच . प्रति एकड़ की दर से लगाए 4-6 • मटर की फसल पर 2 % यूरिया के घोल का छिड़काव करें। जिससे मटर की फल्लियों की सख्याँ में बढोतरी होती है।
चारे वाली फासले		
बरसीम		किसान इस मौसम में बरसीम की बुवाई कर सकते हैं। बरसीम की उन्नत किस्में- वरदान, बुंदेल बरसीम-1, जे.बी.-3. बीज दर– बरसीम- 25-30 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर।
पशु		
पशु	पशुओ मे खुरपका एवं मुहपका के टीके लगवाए। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन मे दो बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे। बाहरी परजीवी से बचाव के लिए ब्यूटोक्स का उपयोग करे। दे पशु शाला की नियमित सफाई करे 1 लीटर पानी मे 5 मिली फिनायल मिलाकर फर्श की सफाई करे।	
मुर्गी पालन	मुरगियों मे रानी खेत बीमारी के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए चूजो को 7 दिन की अवस्था पर टीकाकरन करे। मुर्गे एवं मुरगियों मो मिनरल मिक्सचर तथा साफ एवं ताजा पानी दे।	
बकरी पालन	बकरियो मे पी पी आर रोग के नियंत्रण के लिए टीका लगवाए, बकरियो को हारा चारा साफ पानी एवं सूखे स्थान मे बांधे एवं परजीवी से बचाव के उपाय करे साफ एवं ताजा पानी दिन मे तीन बार दे, साथ ही साथ हरे चारा दे।	

JHABUA HILLS

आगामी पांच दिनो के लिये कृषि परामर्श :– जिले मे आसमान मे साफ से मध्यम बादल रहने, तापमान सामान्य रहने व वर्षा नहीं होने की संभावना है इसे देखते हुए चना व सरसो फसल की सतत् निगरानी रखे कीट का प्रकोप बढने पर कीटनाशक दवा की अनुशंसित मात्रा का छिडकाव

करें। कपास के खिले डेडुओं की समय पर चुनाई सफाई के साथ करे जिससे बाजार भाव अच्छा मिले।		
फसल	**कीट / व्याधि**	**कृषि कार्य परामर्श**
गेंहूँ (बाली निकलना /फूल आना)	गेहूँ मे दीमक के नियंत्रण के लिए क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी दवा 3.5 ली/हें. की दर से छिडकाव करें।	गेहूँ मे तीसरी सिंचाई 55–60 दिन बाद (बाली निकलते समय) करें। एवं चौथी सिंचाई 75–80 दिन बाद (दानों की दूधिया अवस्था) करें।
चना (फली बनना /दाना बनना)	चने की इल्ली की रोकथाम के लिये टी (ज) आकार की 2 से 2.5 फिट उॅचाई की 20 से 25 खूटियॉ एवं फोरोमेन ट्रैप 8 ट्रैप प्रति एकड लगाए। फसल की सतत् निगरानी रखे व प्रति मीटर 2 से 3 इल्ली होने पर ट्रायजोफॉस दवा 800.0 मिली./हेक्टे. का छिडकाव करें।	चना मे दूसरी सिंचाई 50 प्रतिशत घेटियॉ बन जाने पर (बोनी के 65–75 दिन) करें। असिंचित चने मे 2 प्रतिशत डी.ए.पी. के घोल का छिडकाव करें।
सरसो (फली / दाना बनना)	रसचूसक कीट के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड या थायोमिथाक्सिम दवा 0.35–0.45 ग्राम/ली. की दर से छिडकाव करें।	सरसो मे दूसरी सिंचाई 65–75 दिन बाद फली बनने पर करें।
फलबृक्ष	आम के बाग मे सिंचाई रोक दें। आम मे मिलीबग के नियंत्रण हेतु तने मे ग्रीस की पट्टिया लगायें व 250ग्रा./पौधा फालीडाल चूर्ण का भूमि मे भुरकाव करें। बेर के फलों की बढवार के लिए नत्रजन उर्वरक की टॉप ड्रेसिंग करें।	
सब्जियॉ	रसचूसक कीट के नियंत्रण के लिये इमिडाक्लोप्रिड या थायोमिथाक्सिम दवा 0.35–0.45 ग्राम/ली. की दर से छिडकाव करें। टमाटर, भिण्डी, मिर्च, बैगन आदि मे प्ररोह एवं फलछेदक इल्ली की रोकथाम के लिए ट्रायजोफास दवा 2.0 मिली/ली का छिडकाव करें।	शीतकालीन सब्जियों, भिण्डी, बैगन टमाटर, गाजर,गोभी हरी मटर, मेथी, पालक, मूली, गाजर हरी प्याज एवं हरी मिर्च की समय पर तुडाई कर ग्रेडिंग कर बाजार मे बेचें। शीतकालीन सब्जियों मेथी, पालक, भिण्डी, बैगन, टमाटर, मूली, सेम,गाजर, प्याज, गोभी आदि की समय पर सिंचाई कर अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें।
लहसुन		लहसुन की समय पर सिंचाई करें व अनुशंसित उर्वरक दें।
पशु/पक्षी	मुर्गी व चूजों को ठण्ड से बचाव हेतु मुर्गीघर की खिडकियों को पर्दे से ढककर रखे कमरे का तापमान बनाए रखने हेतु रात मे बल्व जलाकर या हीटर जलाकर ताप दें।	पशुओं को प्रतिदिन 25.0 किलो प्रति पशु हरा चारा, संतुलित आहार एवं मिनरल की आपूर्ति हेतू 50 से 60 ग्राम प्रति पशु के हिसाब से खुराक दे। बरसीम की समय पर कटाई कर सिंचाई करे व अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें।

कृते निदेशक